

This PDF you are browsing now is a digitized copy of rare books and manuscripts from the Jnanayogi Dr. Shrikant Jichkar Knowledge Resource Center Library located in Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University Ramtek, Maharashtra.

KKSU University (1997- Present) in Ramtek, Maharashtra is an institution dedicated to the advanced learning of Sanskrit. The University Collection is offered freely to the Community of Scholars with the intent to promote Sanskrit Learning.

Website https://kksu.co.in/

Digitization was executed by NMM

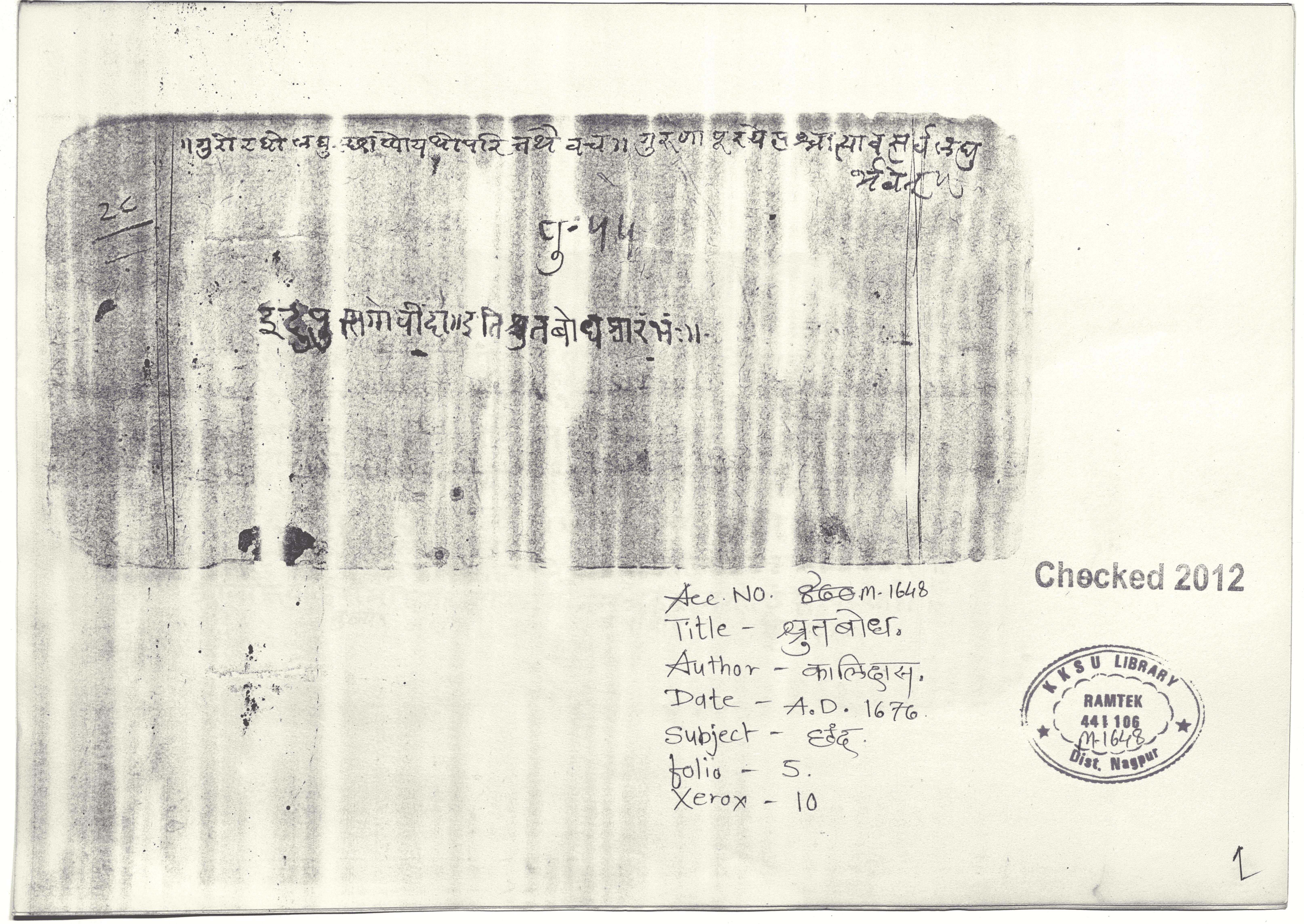
https://www.namami.gov.in/

Sincerely,

Prof. Shrinivasa Varkhedi Hon'ble Vice-Chancellor

Dr. Deepak Kapade Librarian

Digital Uploaded by eGangotri Digital Preservation Trust, New Delhi https://egangotri.wordpress.com/



2

अंशा शर रहिता व यस्ता पारा व न्या के हिर्दे के अंश प्रमाने अपान के साम प्राव के या के साम प्राव के साम प्राव के साम प्राव के साम के

अवविद्यां सम्भागि क्षेत्र के विद्यां क्षेत्र के विद्यां के क्षेत्र के क्षेत्

विश्वेतासमं क्षित्र मान्य स्ति क्षित्र मान्य क्षत्र मान्य क्षित्र मान्य क्षित्र मान्य क्षित्र मान्य क्षित्र मान्य क्षित्र मान्य क्षत्र मान्य क

महोल्लाम् विद्धमेनाहृत्रं क्रम्य क्रांस्थिति क्रांस्थान क्रांस्त तेष्म विद्धमेनाहृत्रं क्रम्य क्रांस्य प्राप्त क्रांस्य क्रांस्य

 त्रकाति विश्वामा बिलवेचे क्रवी हे स्व तन्त्र निगरिता स्त्र ग्धरा काष्ट्राक्षा स्थिति प्रति स्व स्व स्व के के का निगरिता स्व प्रति का कि का स्व कि का स्व कि का स्व का स्व



,CREATED=23.09.20 10:25 TRANSFERRED=2020/09/23 at 10:26:55 ,PAGES=10 ,TYPE=STD ,NAME=S0003653 Book Name=M-1648-RITUBODH ,ORDER_TEXT= ,[PAGELIST] ,FILE1=0000001.TIF ,FILE2=00000002.TIF ,FILE3=0000003.TIF ,FILE4=0000004.TIF ,FILE5=0000005.TIF ,FILE6=0000006.TIF ,FILE7=0000007.TIF ,FILE8=0000008.TIF ,FILE9=0000009.TIF ,FILE10=0000010.TIF

[OrderDescription]